

---

# Shri Dattaguru Panchakam

---

## श्रीदत्तगुरुपञ्चकम्

---

### Document Information

Text title : Shri Dattaguru Panchakam

File name : dattagurupanchakam.itx

Category : dattatreya, deities\_misc, vAsudevAnanda-sarasvatI, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : August 28, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 28, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदत्तगुरुपञ्चकम्

---



सुनीलमणिभासुरादृतसुरातवार्ता सुरा-  
सुरावितदुराशरावितनरावराशाम्बरा ।  
वरादरकरा कराक्षणधरा धरापादराद  
रारवपरा परा तनुरिमां स्मराम्यादरात् ॥ १ ॥

सदादृष्टपदा पदाहृतपदा सदाचारदा  
सदानिजहृदास्पदा शुभरदा मुदासम्मदा ।  
मदान्तकपदा कदापि तव दासदारिद्रहा  
वदान्यवरदास्तु मेऽन्तर उदारवीरारिहा ॥ २ ॥


जयाजतनयाभया सदुदया दयार्द्राशया  
शयात्तविजयाजया तव तनुस्तया हृत्स्थया ।  
नयादरदया दयाविशदया वियोगोनया  
तयाश्रय न मे हृदास्तु शुभया भया भातया ॥ ३ ॥

चिदात्यय उरुं गुरुं यमृषयोऽपि चेरुर्गुरुः  
स्वशान्तिविजितागुरुः समभवत्स पृथ्वीगुरुः ।  
अजं भवरुजं हरन्तमुषिजं नरा अत्रिजं  
भजन्तु तमधोक्षजं सुमनसाऽनसूयात्मजम् ॥ ४ ॥


नमोऽस्तु गुरवे स्वकल्पतरवेऽत्र सर्वोरवे  
रवेरधिरुचे शुचे मलिनभक्तहृत्कारवे ।  
अवेहि तव किङ्करं शिरसि धेहि मे शङ्करं  
करं तव वरं वरं न च परं वृणे शङ्करम् ॥ ५ ॥

इति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितं श्रीदत्तगुरुपञ्चकं सम्पूर्णम् ।

---

——  
*Shri Dattaguru Panchakam*

pdf was typeset on August 28, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

